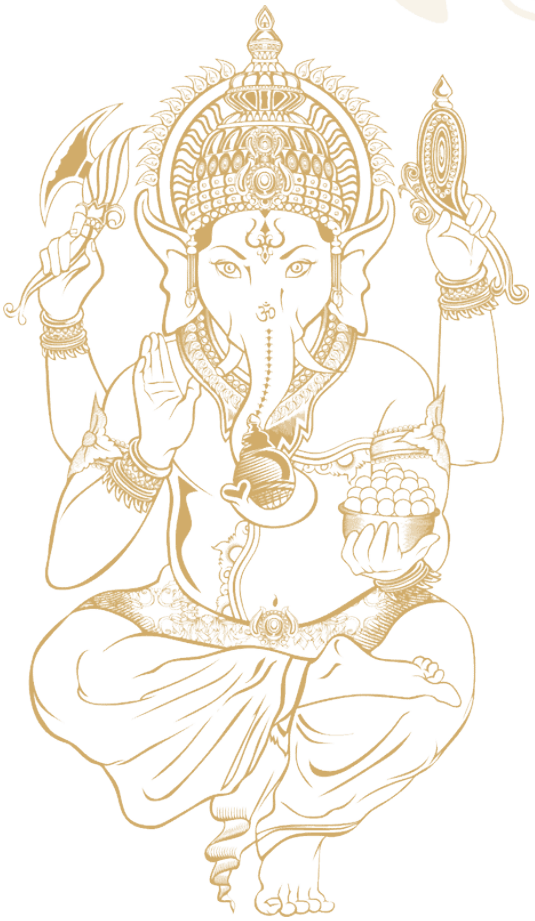

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119381802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28-29/12/1985	जन्म तिथि	30/08/1988
शनि-रविवार	दिन	मंगलवार
घंटे 05:00:00	जन्म समय	19:15:00 घंटे
घटी 55:26:45	जन्म समय(घटी)	33:48:52 घटी
India	देश	India
Kunda	स्थान	Varanasi
25:43:00 उत्तर	अक्षांश	25:20:00 उत्तर
81:31:00 पूर्व	रेखांश	83:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:03:56	स्थानिक संस्कार	00:02:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:49:17	सूर्योदय	05:37:49
17:22:19	सूर्यास्त	18:18:52
23:39:32	चित्रपक्षीय अयनांश	23:42:00

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 0वर्ष 11मा 13दि	17:56:18	वृश्चि	लग्न	मीन	03:51:23	बुध 3वर्ष 2मा 16दि
केतु	13:31:46	धनु	सूर्य	सिंह	13:41:33	चन्द्र
12/12/2022	02:32:20	कर्क	चंद्र	मीन	27:28:48	16/11/2024
12/12/2029	15:03:51	तुला	मंगल व	मीन	17:39:12	17/11/2034
केतु 10/05/2023	24:55:52	वृश्चि	बुध	कन्या	05:53:50	चन्द्र 16/09/2025
शुक्र 09/07/2024	23:57:26	मक	गुरु	वृष	11:24:45	मंगल 18/04/2026
सूर्य 14/11/2024	08:20:41	धनु	शुक्र	मिथु	28:06:30	राहु 17/10/2027
चन्द्र 15/06/2025	11:10:55	वृश्चि	शनि	धनु	02:13:44	गुरु 15/02/2029
मंगल 11/11/2025	13:38:43	मेष व	राहु	कुंभ	20:23:08	शनि 17/09/2030
राहु 30/11/2026	13:38:43	तुला व	केतु	सिंह	20:23:08	बुध 16/02/2032
गुरु 06/11/2027	25:39:53	वृश्चि	हर्ष व	धनु	03:21:30	केतु 16/09/2032
शनि 14/12/2028	09:48:49	धनु	नेप व	धनु	13:49:08	शुक्र 18/05/2034
बुध 12/12/2029	13:10:59	तुला	प्लूटो	तुला	16:32:26	सूर्य 17/11/2034

लग्न-चलित

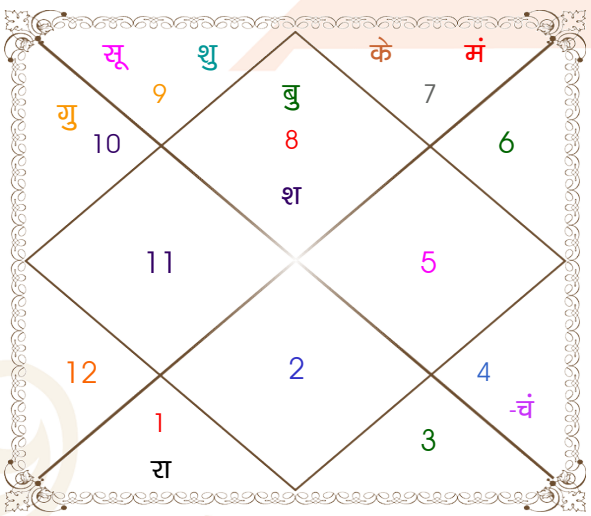

लग्न-चलित

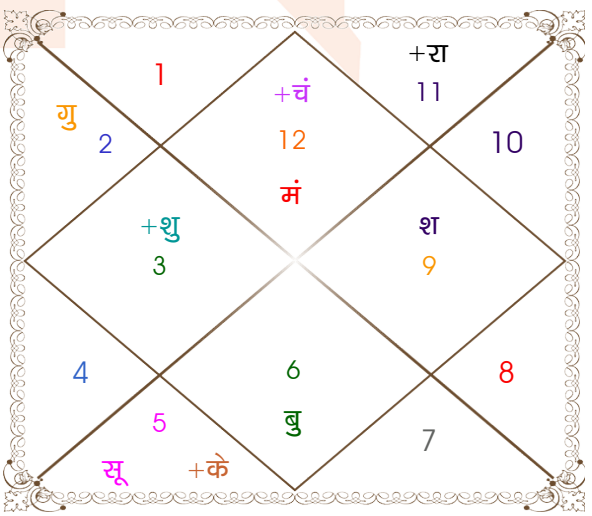

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	गुरु	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मेष है तथा Ms. का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।